गोविंद नारायण सिंह के आदर्शों पर चलकर विकसित मप्र का निर्माण करें : मुख्यमंत्री

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि राजनीति का उद्देश्य केवल सत्ता प्राप्त करना नहीं, बल्कि समाज का कल्याण करना है। नई पीढ़ी को पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय गोविंद नारायण सिंह के जीवन से सेवा, समर्पण, नैतिकता और जनसेवा की प्रेरणा लेनी चाहिए। वे शनिवार को मध्यप्रदेश विधानसभा के सेंट्रल हॉल में पूर्व मुख्यमंत्री स्व. गोविंद नारायण सिंह की जयंती पर आयोजित पुष्पांजलि कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्व. गोविंद नारायण सिंह अपनी सादगी, सहज व्यवहार और जनता से सीधे संवाद के लिए जाने जाते थे। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों और आम नागरिकों की समस्याओं को निकट से समझते हुए जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। उनका जीवन ईमानदारी, संघर्ष और राष्ट्रसेवा का संदेश देता है तथा उनकी कार्यशैली आज भी जनप्रतिनिधियों के लिए प्रेरणास्रोत है।

डॉ. यादव ने बताया कि वर्ष 1967 में मुख्यमंत्री बनने के बाद स्व. सिंह ने प्रशासन में जवाबदेही बढ़ाने, लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत करने और जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप शासन चलाने का प्रयास किया। उनका कार्यकाल प्रदेश की राजनीति में परिवर्तन और जनहित आधारित शासन का महत्वपूर्ण अध्याय माना जाता है। उन्होंने सभी से उनके आदर्शों पर चलने और विकसित, समृद्ध तथा आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के निर्माण का संकल्प लेने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर, जनप्रतिनिधि और स्व. गोविंद नारायण सिंह के परिजन भी उपस्थित रहे। बाद में मीडिया से चर्चा में मुख्यमंत्री ने कहा कि स्व. सिंह प्रदेश की लोकतांत्रिक राजनीति के प्रमुख स्तंभ थे। उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और निष्पक्षता व समाजसेवा के माध्यम से अलग पहचान बनाई। मुख्यमंत्री ने पूर्व मुख्यमंत्रियों और पूर्व विधानसभा अध्यक्षों की जयंती एवं पुण्यतिथि पर पुष्पांजलि कार्यक्रम आयोजित करने की पहल के लिए विधानसभा अध्यक्ष की सराहना की।

पूर्व जिला न्यायाधीश गिरिबाला सिंह की जमानत अर्जी खारिज

नप्र, भोपाल : राजधानी के चर्चित ट्विशा शर्मा मृत्यु प्रकरण में सेवानिवृत्त जिला न्यायाधीश गिरिबाला सिंह को विशेष अदालत से राहत नहीं मिली। शनिवार को अदालत ने उनकी जमानत अर्जी खारिज कर दी। अदालत ने बचाव पक्ष की दलीलों पर विचार करने के बाद आरोपों को गंभीर मानते हुए जमानत देने से इनकार कर दिया। इससे पहले शुक्रवार को जमानत आवेदन विशेष न्यायाधीश नीलम शुक्ला की अदालत में प्रस्तुत किया गया था, लेकिन उन्होंने मामले की सुनवाई से स्वयं को अलग कर लिया। इसके बाद प्रकरण विशेष न्यायाधीश राम प्रताप मिश्र की अदालत में स्थानांतरित किया गया, जहां दोनों पक्षों की विस्तृत दलीलें सुनने के बाद निर्णय सुरक्षित रख लिया गया था। बचाव पक्ष ने अदालत में कहा कि गिरिबाला सिंह महिला हैं, उनकी आयु अधिक है तथा वह स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रही हैं।

बाघ संरक्षण के प्रति विद्यार्थियों को किया जागरूक

नप्र, भोपाल : अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस के उपलक्ष्य में वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में आयोजित बाघ सप्ताह के अंतर्गत शनिवार को महाविद्यालय एवं विद्यालय के विद्यार्थियों के लिए बाघ और उनके अस्तित्व विषय पर संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों तथा आमजन को बाघों के संरक्षण और उनके महत्व के प्रति जागरूक करना है।

कार्यक्रम में मोतीलाल विज्ञान महाविद्यालय तथा गुरु नानक पब्लिक स्कूल, भेल के विद्यार्थियों और शिक्षकों ने भाग लिया। प्रतिभागियों को वन विहार का भ्रमण कराते हुए बाघों के जीवन, व्यवहार, प्राकृतिक आवास और संरक्षण से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी गई।

बाघ सप्ताह के अंतर्गत 26 जुलाई को प्रातः सात बजे वन भवन, तुलसी नगर से 'रन फॉर टाइगर' का आयोजन किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कांस्य पदक विजेता झंडू कुमार को दी शुभकामनाएं

नप्र, भोपाल : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कामनवेल्थ गेम्स-2026 में मेन्स हेवीवेट पैरा पॉवर लिफ्टिंग स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर भारत के लिए पहला पदक हासिल करने वाले झंडू कुमार को बधाई और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर कहा कि पैरा प्लेयर झंडू कुमार ने देश का गौरव बढ़ाया है। उनकी यह उपलब्धि युवाओं और दिव्यांग खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान आज दतिया दौरे पर

नप्र, भोपाल : केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान 26 जुलाई को दतिया विधानसभा उपचुनाव के सिलसिले में दतिया प्रवास पर रहेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार वह दोपहर तीन बजे दतिया के बसई में आयोजित जनसभा को संबोधित करेंगे। इस दौरान वह उपचुनाव के संबंध में कार्यकर्ताओं और मतदाताओं से संवाद करेंगे।

स्व. मुकेश को गीतों के माध्यम से दी जाएगी संगीतमय श्रद्धांजलि

नप्र, भोपाल : कायस्थ समाज की संस्था कायस्थम मध्यप्रदेश द्वारा रविवार, 26 जुलाई को 'रिमझिम गिरे सावन-2' का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में पार्श्व गायक स्वर्गीय मुकेश के 103वें जन्मदिवस पर उन्हें लोकप्रिय फिल्मी गीतों के माध्यम से श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। आयोजन मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, नेहरू नगर के सभागार में अपराह्न 3:30 बजे से होगा। कार्यक्रम में लगभग 30 चित्रांश गायक स्वर्गीय मुकेश के साथ किशोर कुमार, मोहम्मद रफी, लता मंगेशकर, आशा भोसले तथा अन्य गायकों के लोकप्रिय फिल्मी गीत प्रस्तुत करेंगे। संस्था के अध्यक्ष प्रलय श्रीवास्तव ने बताया कि कायस्थम समाज के प्रतिभाशाली गायकों को मंच उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष यह आयोजन करता है। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर समाज के अनेक गायक अपनी प्रस्तुतियां देंगे।

दतिया के विकास को नई गति देने का आह्वान

भाजपा जो कहती है, उसे पूरा करके दिखाती है: डॉ. यादव

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को दतिया विधानसभा उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी प्रत्याशी आशुतोष तिवारी के समर्थन में उदगुवा और उपरायं में आयोजित जनसभाओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि यह उपचुनाव केवल विधायक चुनने का नहीं, बल्कि दतिया के विकास को नई गति देने का अवसर है। उन्होंने मतदाताओं से भाजपा प्रत्याशी को विजयी बनाकर बुंदेलखंड के विकास को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत के संरक्षण के लिए भी निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने अयोध्या में श्रीराम मंदिर निर्माण और चित्रकूट सहित धार्मिक स्थलों के विकास का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार विरासत संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है।

रोजगार और सुविधाओं का उल्लेख

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार सड़क, बिजली, पानी, रोजगार, स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में लगातार कार्य कर रही है। पुलिस भर्ती, कर्मचारियों के लंबित पदोन्नति प्रकरणों के निराकरण, आयुष्मान योजना के अंतर्गत निःशुल्क उपचार तथा आवश्यकता पड़ने पर वायु एंबुलेंस जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। किसानों को सम्मान निधि, महिलाओं को लाड़ली बहना योजना तथा गरीब परिवारों को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है।

जनसभाओं में रही नेताओं की मौजूदगी

जनसभाओं को वरिष्ठ नेता डॉ. नरोत्तम मिश्रा, उपचुनाव प्रभारी एवं सांसद भारत सिंह कुशवाह तथा भाजपा प्रत्याशी आशुतोष तिवारी ने भी संबोधित किया। बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जनकल्याणकारी योजनाओं पर जोर

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र और प्रदेश की सरकार गरीब, किसान, युवा और महिलाओं के कल्याण को प्राथमिकता देते हुए कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार जनहित की

बुंदेलखंड के विकास की रूपरेखा

मुख्यमंत्री ने केन-बेतवा नदी जोड़ परियोजना का उल्लेख करते हुए कहा कि इससे बुंदेलखंड क्षेत्र में सिंचाई, पेयजल और कृषि क्षेत्र को व्यापक लाभ मिलेगा। दतिया में बिजली, सिंचाई और आधारभूत सुविधाओं का भी विस्तार किया जाएगा।

अतिथि शिक्षकों को वर्ष में मिलेंगे 10 आकस्मिक अवकाश

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः प्रदेश के लगभग 90 हजार अतिथि शिक्षकों को स्कूल शिक्षा विभाग ने बड़ी राहत देने का निर्णय लिया है। अब विभाग में कार्यरत अतिथि शिक्षकों को वर्षभर में दस आकस्मिक अवकाश की सुविधा मिलेगी। अब तक अतिथि शिक्षकों को किसी प्रकार का आकस्मिक अवकाश उपलब्ध नहीं था। स्कूल शिक्षा विभाग ने इस संबंध में आवश्यक आदेश शीघ्र जारी करने की तैयारी शुरू कर दी है।

स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से चर्चा के बाद अतिथि शिक्षकों के हित में यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि कार्य सुविधा को ध्यान में रखते हुए सत्र के दौरान प्रत्येक अतिथि शिक्षक को कुल दस आकस्मिक अवकाश प्रदान किए जाएंगे। निर्णय के अनुसार, कार्यभार ग्रहण करते ही अतिथि

स्कूल शिक्षा विभाग जल्द जारी करेगा आदेश, कार्य सुविधा को ध्यान में रखकर लिया गया निर्णय

शिक्षक एक दिन के आकस्मिक अवकाश के पात्र होंगे। इसके बाद प्रत्येक 30 दिन का कार्य पूर्ण होने पर एक अतिरिक्त आकस्मिक अवकाश अर्जित होगा। सत्र के दौरान उपलब्ध अवकाश में से एक बार में अधिकतम तीन आकस्मिक अवकाश ही लिए जा सकेंगे। मंत्री ने कहा कि शिक्षकों के हितों की रक्षा तथा उनके कार्य परिवेश को बेहतर बनाने के लिए विभाग निरंतर प्रयास कर रहा है और आवश्यक आदेश जारी करने के निर्देश दिए जा चुके हैं।

इससे पहले शुक्रवार को विभाग ने री-जॉइनिंग के लिए 90 प्रतिशत ई-उपस्थिति की अनिवार्यता में भी शिथिलता प्रदान की थी।

शोध और प्रामाणिक पाठ्य सामग्री से बढ़ेगी उच्च शिक्षा की गुणवत्ता : परमार

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 ने भारतीयता के भाव को शिक्षा के माध्यम से अभिव्यक्त करने का ऐतिहासिक अवसर प्रदान किया है। अब आवश्यकता है कि भारतीय ज्ञान परंपरा, सांस्कृतिक विरासत, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और शोध आधारित ज्ञान को पाठ्यक्रमों तथा पुस्तकों के माध्यम से नई पीढ़ी तक पहुंचाया जाए। उन्होंने कहा कि शोध आधारित, तथ्यपरक, प्रामाणिक और स्रोत-संपन्न अध्ययन सामग्री ही उच्च शिक्षा की गुणवत्ता का वास्तविक आधार है।

मंत्री श्री परमार भोपाल स्थित सरोजिनी नायडू शासकीय कन्या स्नातकोत्तर (स्वशासी) महाविद्यालय में उच्च शिक्षा विभाग एवं मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी द्वारा आयोजित दो दिवसीय 'स्नातक द्वितीय वर्ष पुस्तक लेखन एवं स्नातक चतुर्थ वर्ष पाठ्यक्रम निर्माण कार्यशाला' के समापन सत्र को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि पाठ्यक्रम निर्माण केवल पुस्तक लेखन का कार्य नहीं, बल्कि शिक्षा में भारतीय दृष्टि को स्थापित करने का राष्ट्रीय अभियान है। प्रत्येक पुस्तक और पाठ्य सामग्री शोध, प्रमाण और संदर्भों पर आधारित होनी चाहिए, ताकि विद्यार्थियों को विश्वसनीय और गुणवत्तापूर्ण अध्ययन सामग्री उपलब्ध हो सके। उन्होंने विद्यार्थियों की सहभागिता बढ़ाने और समयानुकूल पाठ्यक्रम विकसित करने पर भी जोर दिया।

कार्यक्रम में शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय सचिव अतुल कोठारी ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा वैज्ञानिक, तथ्यपरक और अनुभव आधारित है। इसके आधार पर आधुनिक संदर्भों के अनुरूप नई अध्ययन सामग्री तैयार करने की आवश्यकता है। आयुक्त उच्च शिक्षा प्रबल सिपाहा ने कहा कि विभाग की प्राथमिकता विद्यार्थियों को समय पर गुणवत्तापूर्ण और प्रामाणिक अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराना है।

कार्यशाला में भारतीय ज्ञान परंपरा के परिप्रेक्ष्य में 26 पांडुलिपियों की विशेषज्ञों द्वारा समीक्षा की गई। साथ ही स्नातक द्वितीय वर्ष की पुस्तकों और स्नातक चतुर्थ वर्ष के पाठ्यक्रमों को अधिक प्रासंगिक, शोधोन्मुख और विद्यार्थी-केंद्रित बनाने पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश और देशभर से लगभग 350 शिक्षाविद, कुलगुरु, विषय विशेषज्ञ और लेखक शामिल हुए।

गौ सम्मान अभियान के तहत 27 जुलाई को सौंपा जाएगा ज्ञापन

नप्र, भोपाल : राजधानी सहित देशभर में गौ संरक्षण और गौहत्या रोकने की मांग को लेकर गौ सम्मान आह्वान अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के दूसरे चरण के अंतर्गत 27 जुलाई को भोपाल में प्रशासन को ज्ञापन सौंपा जाएगा। अभियान से जुड़े पदाधिकारियों ने बताया कि ज्ञापन के माध्यम से गौमाता को सम्मान दिलाने तथा देशभर में गौहत्या रोकने की मांग की जाएगी। कार्यक्रम के प्रभारी श्रीराम शर्मा ने बताया कि जिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल और मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा जाएगा। इसके साथ ही भोपाल जिले से दो लाख से अधिक हस्ताक्षर तथा एक प्रार्थना पत्र भी प्रेषित किया जाएगा। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सोमवार सुबह कालीघाट के पास स्थित गौ भक्त गुफा मंदिर में श्रद्धालु एकत्र होंगे। यहां गौमाता का पूजन, शंखनाद तथा सामूहिक रूप से 'श्री राम जय राम जय जय राम' विजय मंत्र का जप किया जाएगा। इसके बाद झंडे और बैनरों के साथ जिलाधिकारी कार्यालय तक प्रार्थना यात्रा निकाली जाएगी। यात्रा में गोमाता की झांकी तथा बुलडोजर पर हस्ताक्षरों का प्रदर्शन भी किया जाएगा। इसमें संत-महात्मा, सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधि, किसान तथा बड़ी संख्या में गौभक्त शामिल होंगे। अभियान से जुड़े पदाधिकारियों ने जिले के नागरिकों से इस जनजागरण कार्यक्रम में सहभागिता की अपील की है। लोगों से परिवार सहित पारंपरिक वेशभूषा में कार्यक्रम स्थल पर पहुंचकर गौ सेवा, सुरक्षा और सम्मान के उद्देश्य से चलाए जा रहे अभियान को सफल बनाने का आग्रह किया गया है।

सांची से शुरू हुआ स्वच्छ पर्यटन अभियान, हर माह एक पर्यटन स्थल पर चलेगा विशेष अभियान

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल सांची में शनिवार को 'स्वच्छ पर्यटन अभियान' के तहत व्यापक स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित किया गया। मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड और इंडियन एसोसिएशन ऑफ टूर ऑपरेटर्स (आईएटीओ) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित अभियान में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई), ग्राम पंचायत, स्थानीय नागरिकों, सफाई कर्मियों, एनसीसी कैडेट्स, विद्यार्थियों, पर्यटन व्यवसाय से जुड़े प्रतिनिधियों और स्वयंसेवकों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। अभियान का उद्देश्य पर्यटन स्थलों को स्वच्छ, पर्यावरण-अनुकूल और सिंगल-यूज प्लास्टिक मुक्त बनाना है।

मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड के प्रबंध संचालक डॉ. इलैयाराजा टी. ने कहा कि सांची से शुरू हुआ यह अभियान अब प्रदेश के प्रत्येक प्रमुख पर्यटन स्थल तक पहुंचेगा। प्रत्येक माह एक पर्यटन स्थल पर इसी प्रकार का स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि केवल स्मारकों की सफाई ही नहीं, बल्कि स्थानीय समुदाय को स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण से जोड़ना भी इस पहल का प्रमुख उद्देश्य है।

कार्यक्रम की शुरुआत स्वच्छता शपथ के साथ हुई। इसके बाद प्रतिभागियों ने सांची स्तूप परिसर में श्रमदान कर सफाई

की और परिसर में नए डस्टबिन स्थापित किए गए। पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए आसपास के दुकानदारों को कपड़े के थैले वितरित किए गए तथा सिंगल-यूज प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने के लिए प्रेरित किया गया। प्रतिभागियों ने जंबू द्वीप पार्क तक स्वच्छता पदयात्रा निकालकर पर्यटकों और स्थानीय लोगों को जिम्मेदार पर्यटन का संदेश दिया।

उत्कृष्ट विद्यालय, सांची में 'स्वच्छ पर्यटन-स्वच्छ भारत' विषय पर चित्रकला एवं निबंध प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। आईएटीओ के अध्यक्ष रवि गोसाईं ने कहा कि स्वच्छ पर्यटन स्थल भारत की वैश्विक छवि को मजबूत करते हैं। उन्होंने जनभागीदारी को इस अभियान की सफलता की कुंजी बताते हुए प्रदेश के अन्य पर्यटन स्थलों पर भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित करने की बात कही।

सीएम ने स्व- प्रभात झा की पुण्यतिथि पर किया नमन

नप्र, भोपाल : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पूर्व प्रदेश अध्यक्ष, पूर्व राज्यसभा सांसद और वरिष्ठ नेता स्व.प्रभात झा की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि दी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि संगठन के सुदृढ़ीकरण और जनसेवा के प्रति स्व. प्रभात झा का समर्पित योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा।

सफेद मूसली की खेती से बेटे को अमेरिका पढ़ाया, जैविक खेती में प्रदेश अग्रणी

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मध्यप्रदेश जैविक खेती के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनकर उभरा है। प्रदेश की देश में हो रही जैविक खेती में 27 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी है। राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के तहत 1,513 क्लस्टरों में 1.89 लाख किसानों को जोड़ा गया है। प्राकृतिक खेती अपनाने वाले किसानों के लिए देशी गोपालन पर प्रतिमाह 900 रुपये अनुदान का प्रावधान भी किया गया है।

खरगोन में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने किसानों से संवाद किया। इस अवसर पर जैविक खेती करने वाले किसानों ने अपने अनुभव साझा किए। किसान अविनाश दांगी ने बताया कि वे 54 एकड़ में पूरी तरह जैविक खेती करते हैं और उनके मसाले सहित अन्य उत्पाद 13 राज्यों में भेजे जाते हैं। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए सरकार का सहयोग लगातार मिल रहा है।

सफेद मूसली की खेती करने वाले किसान अनिल वर्मा ने बताया कि इस फसल से मिली आय के बल पर उन्होंने अपने बेटे को अमेरिका में उच्च शिक्षा के लिए भेजा। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में करीब 1,500 एकड़ में सफेद मूसली की खेती हो रही है, जिससे लगभग एक हजार किसान जुड़े हैं। आधुनिक मशीनों पर सरकारी सब्सिडी मिलने से उत्पादन आसान हुआ है और किसान सालाना 5 से 7 लाख रुपये तक का लाभ अर्जित कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने किसानों की नवाचार आधारित खेती की सराहना करते हुए उन्नत कृषि अपनाने का आह्वान किया।

अवगत कमाली माता मंदिर की भूमि पर व्यावसायिक निर्माण का विरोध

आस्था और धार्मिक स्वरूप से कोई समझौता स्वीकार नहीं: आलोक

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः भोपाल के लगभग 100 वर्ष पुराने कमाली माता मंदिर की भूमि पर प्रस्तावित शॉपिंग कॉम्प्लेक्स के निर्माण का विरोध तेज हो गया है।

इस विषय को लेकर भोपाल सांसद आलोक शर्मा ने धर्मगुरुओं, संत-महात्माओं तथा विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ कलेक्टर कार्यालय में बैठक कर प्रशासन के समक्ष जनभावनाओं से अवगत कराया। बैठक में सांसद आलोक शर्मा ने कहा कि कमाली माता मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि भोपाल की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत का महत्वपूर्ण प्रतीक है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि मंदिर की भूमि का किसी भी प्रकार से व्यावसायिक उपयोग स्वीकार नहीं किया जाएगा तथा श्रद्धालुओं की आस्था से किसी भी स्थिति में समझौता नहीं होने दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि मंदिर की पवित्रता और मूल स्वरूप को सुरक्षित बनाए रखना प्रशासन की जिम्मेदारी है। यदि मंदिर की भूमि पर शॉपिंग कॉम्प्लेक्स अथवा अन्य किसी प्रकार के व्यावसायिक निर्माण का प्रयास किया जाता है तो यह समाज की धार्मिक भावनाओं के प्रतिकूल होगा।

भूमि का व्यावसायिक उपयोग किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा

सांसद ने प्रशासन से मांग की कि मंदिर की भूमि पर प्रस्तावित किसी भी व्यावसायिक निर्माण की प्रक्रिया तत्काल रोकी जाए तथा कमाली माता मंदिर के धार्मिक स्वरूप और पवित्रता को यथावत सुरक्षित रखा जाए। बैठक में उपस्थित धर्मगुरुओं तथा विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भी एक स्वर में कहा कि कमाली माता मंदिर जन-जन की आस्था का केंद्र है और इसकी भूमि का व्यावसायिक उपयोग किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने प्रशासन से जनभावनाओं का सम्मान करते हुए मंदिर की सुरक्षा और संरक्षण सुनिश्चित करने की मांग की। सांसद आलोक शर्मा ने विश्वास व्यक्त किया कि प्रशासन जनभावनाओं का सम्मान करते हुए उचित और न्यायसंगत निर्णय लेगा तथा कमाली माता मंदिर की गरिमा और धार्मिक महत्व को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाएगा।

मेसर्स दैनिक नईदुनिया के लिए प्रकाशक अपूर्व तिवारी के द्वारा 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, ज़ोन-1,भोपाल-462011 से प्रकाशित एवं मुद्रक डॉ. विश्वास तिवारी के द्वारा नईदुनिया प. प्रा.लि., 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, ज़ोन-1, भोपाल-462011 से मुद्रित। प्रबंध संपादक: डॉ. सुरेन्द्र तिवारी एवं संपादक: अपूर्व तिवारी। *
फोन-0755-2550900-01, e-mail : naidunia@gmail.com (* समाचार पत्र से संबंधित सभी प्रकार के विवादों के लिए न्याय क्षेत्र सिर्फ भोपाल होगा।) आर.एन.आई. रजि. क्र. 47694/88, www.naiduniaonline.com